09-06-2023

ईरान की नई हाइपरसोनिक मिसाइल

समाचार पत्रों में क्यों?

ईरान ने 6 जून को दावा किया कि उसने ध्वनि की गति से 15 गुना अधिक गति से यात्रा करने में सक्षम हाइपरसोनिक मिसाइलें बनाई हैं।

त्वरित मुद्दा?

- यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ तनाव बना हुआ है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- इस मिसाइल के नाम "फ़तह" का फ़ारसी में अर्थ होता है "विजेता"।
- मिसाइल की रेंज 1,400 किमी तक थी और यह सभी रक्षा कवच को भेदने में सक्षम है।
- मिसाइल 15 मैक (5,145 मीटर या 16,880 फीट प्रति सेकंड) की गति से आगे बढ़ सकती है।
- हाइपरसोनिक मिसाइल एक हथियार प्रणाली है जो 5 मैक की गति या इससे अधिक की गति से उड़ान भरती है यानी ध्वनि की गति से पाँच गुना।
- हाइपरसोनिक मिसाइल की गतिशीलता इसे एक बैलिस्टिक मिसाइल से अलग करती है क्योंकि यह बाद में बैलिस्टिक प्रक्षेपवक्र का अनुसरण करती है।
- इस प्रकार बैलिस्टिक मिसाइलों के विपरीत, हाइपरसोनिक मिसाइलें बैलिस्टिक प्रक्षेपवक्र का पालन नहीं करती हैं तथा उन्हें इच्छित लक्ष्य तक ले जाया जा सकता है।
- ज्ञात हो कि इस समय तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच पहले ही तनाव चल रहा है।

केरल फाइबर ऑप्टिकल नेटवर्क

समाचार पत्रों में क्यों?

केरल सरकार ने अपनी प्रमुख परियोजनाओं में से एक केरल फाइबर ऑप्टिकल नेटवर्क (KFON) को KFON.INTERNET-A BASIC RIGHTआधिकारिक तौर पर लॉन्च किया।

त्वरित मुद्दा?

- केरल अपनी खुद की इंटरनेट सेवा वाला देश का एकमात्र राज्य बन गया है। सरकार का लक्ष्य राज्य में आर्थिक रूप से पिछड़े 20 लाख लोगों को मुफ्त ब्रॉडबैंड सेवा उपलब्ध कराना है। योजना के तहत पहले चरण में 14 हजार परिवारों को मुफ्त इंटरनेट सेवा का लाभ मिलेगा। केरल फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क के तहत राज्य के हर शख्स तक इंटरनेट एक्सेस का टारगेट रखा गया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- केरल फाइबर ऑप्टिकल नेटवर्क का लक्ष्य केरल के सभी घरों और सरकारी कार्यालयों में हाई स्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट पहुंच सुनिश्चित करके डिजिटल डिवाइड को कम करना है।
- यह विदित है कि इंटरनेट के अधिकार को एक बुनियादी अधिकार घोषित करने वाला पहला राज्य था।
- इसका उद्देश्य ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देना और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में केरल की यात्रा को गति देना भी है।
- मूल रूप से, केरल फाइबर ऑप्टिकल नेटवर्क एक अवसंरचना प्रदाता के रूप में कार्य करेगा।
- यह 30,000 किलोमीटर का एक ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क है, जिसमें पूरे केरल में 375 पॉइंट-ऑफ-प्रेजेंस है।
- केरल फाइबर ऑप्टिकल नेटवर्क अवसंरचना को केबल ऑपरेटरों सहित सभी सेवा प्रदाताओं के साथ साझा किया जाएगा।
- केरल फाइबर ऑप्टिकल नेटवर्क सरकारी कार्यालयों के लिए केबल का काम करेगा, व्यक्तिगत लाभार्थियों को निजी, स्थानीय इंटरनेट सेवा प्रदाताओं पर निर्भर रहना होगा।

अमृत जनरेशन अभियान

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में मेटा और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन इरानी ने अमृत जेनरेशन अभियान का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य के लिए अपनी आकांक्षाओं और सपनों को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करके सशक्त बनाना है।

त्वरित मुद्दा?

- अमृत जेनरेशन अभियान इंस्टाग्राम और फेसबुक पर रीलों के सृजन द्वारा पूरे देश से युवाओं को अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करने और अपनी आकांक्षाओं को साझा करने के लिए आमंत्रित करता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- अमृत जनरेशन अभियान भारत के युवाओं को भविष्य के लिए अपनी आकांक्षाओं और सपनों को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करके उन्हें सशक्त बनाने और संलग्न करने की एक पहल है।
- यह अभियान देश भर के युवाओं को अपनी रचनात्मकता दिखाने और इंस्टाग्राम और फेसबुक पर रील्स बनाकर अपनी आकांक्षाओं को साझा करने के लिए आमंत्रित करता है।
- वरिष्ठ नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के लीडर्स के साथ बातचीत करने अपने संबंधित क्षेत्रों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करने और अपने सपनों को प्राप्त करने के तरीके पर मार्गदर्शन प्रदान करने के एक अनूठे अवसर के लिए अभियान से पचास प्रविष्टियों का चयन किया जाएगा और उन्हें नई दिल्ली में आमंत्रित किया जाएगा।
- मेटा ऐसी तकनीकों का निर्माण करता है जो लोगों को जोड़ने, समुदायों को खोजने और व्यवसायों को विकसित करने में मदद करती हैं।
- सामाजिक प्रौद्योगिकी में अगले विकास के निर्माण में मदद करने के लिए मेटा 2डी स्क्रीन से आगे अब संवर्धित और आभासी वास्तविकता जैसे इमर्सिव अनुभवों की ओर बढ़ रहा है।

'अग्नि प्राइम' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण

समाचार पत्रों में क्यों?

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण किया। मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया।

त्वरित मुद्दा?

- मंत्रालय के अनुसार, मिसाइल के तीन सफल विकासात्मक परीक्षणों के बाद यह पहला प्री-इंडक्शन नाइट लॉन्च था। इस तरह का लॉन्च सिस्टम की सटीकता और विश्वसनीयता की पुष्टि करता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- अग्नि प्राइम मिसाइल दोहरी नेविगेशन और मार्गदर्शन प्रणाली के साथ दो चरणों वाली कनस्तरीकृत ठोस प्रणोदक मिसाइल है।
- कनस्तरीकरण प्रक्षेपण के लिए आवश्यक समय को कम करता है और भंडारण और गतिशीलता में सुधार करता है।
- यह सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है।इसकी रेंज 1000 से 2000 किमी के बीच है।
- अग्नि प्राइम' अग्नि श्रृंखला की छठी मिसाइल है।

- अग्नि मिसाइलों का विकास डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की अगुवाई में एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP) के तहत किया गया है।
- भारत सरकार ने इसे वर्ष 1983 में अनुमोदित किया था।
- भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा इस श्रृंखला की मिसाइलों का विकास किया गया है।
- एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम के तहत 5 मिसाइलों का विकास किया गया है-
  - **पृथ्वी :** यह कम दूरी की सतह-से-सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है।
  - **अग्नि :** इसमें भिन्न-भिन्न रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं।
  - **त्रिशूल :** यह कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है।
  - **नाग :** यह तीसरी पीढ़ी की टैंक-रोधी मिसाइल है।
  - **आकाश :** यह मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है।